उत्तर प्रदेश सेशन– ब्रिक्स ट्रेड फेयर– नई दिल्ली

सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास – उत्तर प्रदेश में निवेशकों का स्वागत है। वे अभिनव उद्योगपरक नीतियों, सुविधाओं और पारदर्शी सरल प्रक्रियाओं का उपयोग करते हुए उच्च स्तर की अवस्थापना सुविधाओं और औद्योगिक विकास में सहभागी बनें।

लखनऊ–नई दिल्ली, 12 अक्टबर, 2016:

नई दिल्ली में आज प्रारम्भ हुए *ब्रिक्स ट्रेड फेयर* में 'भारतीय राज्यों में निवेश के अवसर' विषय पर आयोजित विशेष सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार की सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास–श्रीमती अलकनंदा दयाल ने आज उत्तर प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश व उद्यम के लिए उपलब्ध उत्तम अवसरों को रेखांकित किया।

उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने एक प्रस्तुतिकरण किया जिसमें राज्य की अवस्थापना एवं औद्योगिक निवेश नीति में उद्यमियों को उपलब्ध कई आर्थिक और अन्य सुविधाओं के बारे में विशेष रूप से बताया। राज्य में उपलब्ध दक्ष मानव संसाधनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता और तेजी से विकसित हो रही अवस्थापना परियोजनाओं पर प्रकाश डाला।

श्रीमती दयाल ने कहा–"निजी निवेश के लिए उ.प्र. सरकार गवर्नेन्स में सृजनात्मक परिवर्तन करने हेतु न केवल सरल व पारदर्शी प्रक्रियाओं को लागू कर रही है, अपितु पूरे प्रदेश में संतुलित अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाये गए हैं।"

अपने सम्बोधन में उ.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) के प्रबन्ध निदेशक– श्री अमित कुमार घोष ने निवेशकों को ट्रांस–गंगा परियोजना, उन्नाव, सरस्वती हाईटेक टाउनशिप, इलाहाबाद में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए बताया कि ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कोरीडोर पर कानपुर के निकट भावपुर में एक इण्टीग्रेटेड मैन्यूफैक्चरिंग सिटी का अनुमोदन हो गया है, जिसमें औद्योगिक इकाई स्थापित करने के सुअवसर का लाभ उठायें।

उत्तर प्रदेश सत्र में एक आकर्षक और प्रभावशाली लघु चलचित्रों का प्रदर्शन भी किया गया। 'राइज़िंग उत्तर प्रदेश' नामक इस फिल्म में राज्य के सशक्त बिन्दुओं, जैसे– दक्ष मानव संसाधन, खाद्यान्न की ऊँची पैदावार, बड़ी आर्थिक व्यवस्था सहित राज्य सरकार द्वारा अवस्थापना विकास एवं अन्य क्षेत्रों में उठाये जा रहे कदमों के विषय में बताया गया। इनमें निवेशोन्मुख नीतियों, उपलब्ध सुविधाओं के साथ ही लागू की जा रही परियोजनाओं, जैसे– आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, लखनऊ व कानपुर मेट्रो रेल, रोड नेटवर्क, आईटी सिटी लखनऊ, ट्रांस–गंगा परियोजना, उन्नाव, सरस्वती हाईटेक टाउनशिप, इलाहाबाद,

दिल्ली–मुम्बई एवं अमृतसर–कॉलकता इण्डस्ट्रियल कोरीडोर्स सहित परिवहन, नागरिक उड्डयन, शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यटन आदि के विकास के विषय में बताया गया।

इस सत्र में उ.प्र. राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीएसआईडीसी) के प्रबन्ध निदेशक– श्री अमित कुमार घोष, मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सी.ई.ओ.), ग्रेटर नोएडा – श्री दीपक अग्रवाल, सी.ई.ओ., नोएडा – श्री पी के अग्रवाल सहित सम्बन्धित विभागों के उच्चाधिकारी शामिल हुए।